विशेष शिक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों का आकलन

प्रस्तावना

शैक्षिक आकलन का उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशलों, नज़रियों और मान्यताओं का निर्धारण करने के लिए उनकी प्रगति पर नजर रखना और सीखने के प्रतिफलों को बेहतर बनाना है। हालाँकि, जैसे विद्यार्थी अलग-अलग तरीकों से सीखते हैं, उसी प्रकार प्रभावी रूप से सीखने का प्रदर्शन भी विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। केवल एक या सामान्यीकृत आकलन विभिन्न क्षेत्रों में किसी बच्चे की सभी क्षमताओं और चुनौतियों को नहीं दर्शा सकता है। जहाँ यह सभी बच्चों के लिए सत्य है, वहीं यह विशेष शिक्षा की आवश्यकता के बच्चों के लिए विशेष रूप से सही है। अत:, ऐसे आकलन की प्रक्रिया तैयार करना महत्वपूर्ण है जो सीखने के लिए और उसके प्रदर्शन के लिए विभिन्न कारकों पर विचार करे।

सीखने के क्षेत्र

अकादमिक क्षेत्र

सीखने के अकादमिक क्षेत्र विषय आधारित ज्ञान और प्रदर्शन पर केंद्रित होते हैं। इनमें भाषाएँ, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, कंप्यूटर, शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा जैसे विषय शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य इन विषयों का संज्ञानात्मक ज्ञान देना होता है ताकि सीखने वाला विषय आधारित ज्ञान समझ सके, विश्लेषण कर सके, मूल्यांकन कर सके और अपने दैनिक जीवन की परिस्थितियों में लागू कर सके।

सह-शैक्षिक क्षेत्र

सह-पाठ्यचर्या क्षेत्र बच्चे के समग्र विकास से संबंधित है। यह विद्यार्थी के नजरिए, मूल्यों, रूचियों, आदतों, जीवन-मूल्य, सामाजिक मूल्यों, और भावनाओं पर आधारित होता है। यहाँ विचार यह है कि विद्यार्थी के पास शैक्षिक क्षेत्र के माध्यम से अर्जित ज्ञान और कौशलों को लागू करने की क्षमताएँ होनी चाहिए। सह-शैक्षिक क्षेत्रों के आकलन के घटकों में व्यक्तिगत, सामाजिक और भावनात्मक गुणों का आकलन शामिल है जैसे:

- अनुशासन और समय की पाबंदी (Discipline and punctuality)
- पहल और सहयोग(Initiative and cooperation)
- परिश्रम और जिम्मेदारी (Diligence and Responsibility)
- संप्रेषण कौशल (Communication skills)
- नेतृत्व (Leadership)
- नागरिक चेतना और समाज सेवा की भावना (Civic Consciousness and spirit of social service)
- स्व-अनुशासन और प्रेरणा Self-discipline and motivation
- आत्मसम्मान और विश्वास (Self-esteem and confidence)

आकलन की विधियाँ

- पिछले कुछ वर्षों में सुधारात्मक आकलन (formative assessment) की खूबियों को पहचाना गया है और इन्हें सारांशीत आंकलन (summative assessment) के साथ अधिक से अधिक व्यवहार में लाया जा रहा है। लिखित रूप में आकलन करने के तरीके बने हुए हैं और ये आकलन के अन्य तरीकों पर हावी रहते हैं।

- इसलिए, विशेष शिक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों के आकलन हेतु समर्थन में अंतर लाने के लिए हमें इसके लिखित रूप में बदलाव करने के साथ- साथ मौखिक आकलन, समूह कार्य, परियोजना आधारित कार्य (project based work), साथी के साथ काम करना (partner work) आदि जैसे आकलन के अलग तरीके विकसित करने की आवश्यकता है।

CBSE के प्रावधान

CBSE के विशेष आवश्यकता के बच्चों की परीक्षा से संबंधित विशिष्ट दिशानिर्देश हैं। इनमें निम्न लिखित बातें शामिल हैं :

- लेखक की सुविधा
- प्रतिपूरक समय (compensatory time)
- JAWS (Job Access With Speech) जैसे विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग
- प्रश्न पत्र के लिए दृश्य इनपुट उपकरणों का प्रयोग
- बड़े अक्षरों के साथ अलग प्रश्न, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र में बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) और वैकल्पिक प्रश्न पत्र (alternate papers)

CBSE के दिशा निर्देश सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई हैं परन्तु इन्हें प्राथमिक अवस्था के विद्यार्थियों के लिए भी उपयोग किया जाना चाहिए। इनके कुछ अभ्यास इस प्रकार हैं :

- कठिनाई स्तर को बनाए रखते हुए प्रश्न पत्र में संशोधन (दृश्य इनपुट का अधिक उपयोग, खाली स्थान भरने के अभ्यास, सहायता बॉक्स, बड़े अक्षर आदि)
- बच्चे के लिए बनी व्यक्तिगत शिक्षा योजना के अनुसार वैकल्पिक प्रश्न पत्र बनाना।
- प्रतिपूरक समय
- प्रश्नों को पढ़ने में सहायता करना (गैर-भाषा प्रश्न पत्रों में)
- मौखिक प्रतिक्रिया देने का विकल्प

आकलन को अधिक समावेशी बनाने के कुछ अन्य तरीके इस प्रकार हैं:

- आकलन के किसी एक तरीके को अधिक महत्व न देना।
- कई प्रारूप शामिल करना।

CWSN के लिए वैकल्पिक आकलन

बहुत सी परिस्थितियों में, जिन विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकताएँ होती हैं, वे एक व्यक्तिगत शिक्षा योजना (प्राचार्य हैंडबुक का अनुभाग 2.12 देखें।) के माध्यम से सीखते हैं। स्वाभाविक रूप से, इन विद्यार्थियों का आकलन व्यक्तिगत शिक्षा योजना के आधार पर किया जाता है और ये शेष कक्षा से अलग होता है।

वैकल्पिक आकलन में ये विशेषताएं हो सकती हैं:

- सामान्य प्रश्न पत्र की तुलना में आकलन के कुछ अलग उद्देश्य (objective)।
- गिनती की प्रक्रिया आसान करने के लिए चार्ट, ग्राफिक्स आदि के रूप में सहायता प्रदान करना।

- विद्यार्थी के लिए प्रश्नों को हल करने हेतु मूर्त सामग्री के उपयोग की गुंजाइश
- प्रश्नों के लिए संख्या की छोटी सीमा
- देखने की स्पष्टता और लिखने की सुविधा के लिए अधिक स्थान का प्रावधान
- इसके अतिरिक्त प्रश्न पत्र को हल करने के प्रयास हेतु अतिरिक्त समय और आकलन को अलग-अलग अवधि (slot) में पूरा करने के लिए लचीलापन (flexibility) भी विद्यार्थी को दिया जा सकता है।

CWSN के लिए संशोधित आकलन

बहुत सी परिस्थितियों में, एक CWSN सीखने के लिए किसी अलग व्यक्तिगत शिक्षा योजना का उपयोग नहीं करता है, परन्तु सीखने के प्रदर्शन के लिए उसे अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो सकती है। इस प्रकार के सहयोग में, लिखने के लिए अतिरिक्त स्थान, बड़े अक्षर और अच्छी तरह से पढ़ने के लिए शब्दों के बीच अधिक दूरी, प्रश्नों को हल करने के लिए मूर्त वस्तुएँ, प्रश्न पत्र पढ़ने / लिखने के लिए अधिक समय आदि, शामिल हो सकते हैं।

CWSN के लिए संशोधित आकलन के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं"

Exhibit 1

असंशोधित संस्करण	VI दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए। $\frac{1}{2} \times 4 = 2$ 1) बादशाह - _____ _____ 2) सूरज - _____ _____
संशोधित संस्करण	vi) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द छुन कर लिखें (4) राजा | सूर्य | अजय | भूपति | दिनकर | नयन बादशाह - i) _____ ii)_____ सूरज - i) _____ ii)_____

उपरोक्त प्रश्न में निम्न संशोधन किए गए हैं :
1. हाथ से लिखने के स्थान पर प्रश्न को टाइप किया गया है।
2. बॉक्स के उपयोग से प्रश्न के प्रकार में बदलाव किया गया।

Exhibit 2

असंशोधित संस्करण

संशोधित संस्करण

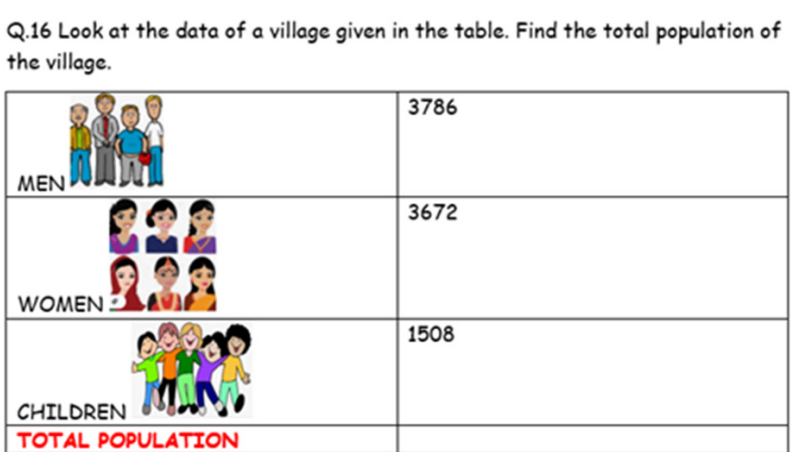

उपरोक्त प्रश्न में निम्न संशोधन किए गए हैं :

1.आसानी से पढ़ने के लिए सफेद पृष्ठभूमि (background) पर काले फ़ॉन्ट से लिखा गया।

2. लंबे टेक्स्ट को छोटे और संक्षिप्त रूप में तोड़ा गया।

3. अच्छी समझ के लिए तालिका और चित्रों का प्रयोग किया गया।

Exhibit 3

असंशोधित संस्करण

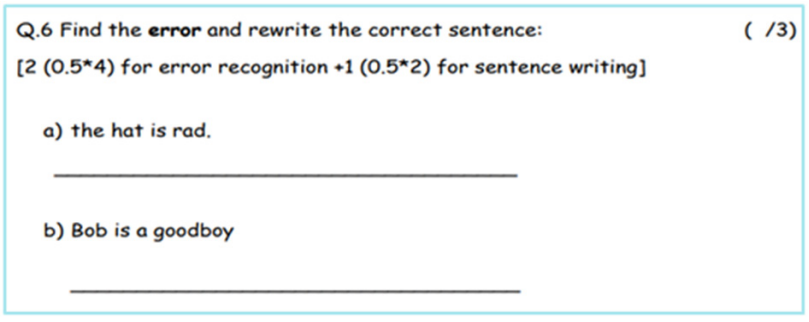

संशोधित संस्करण

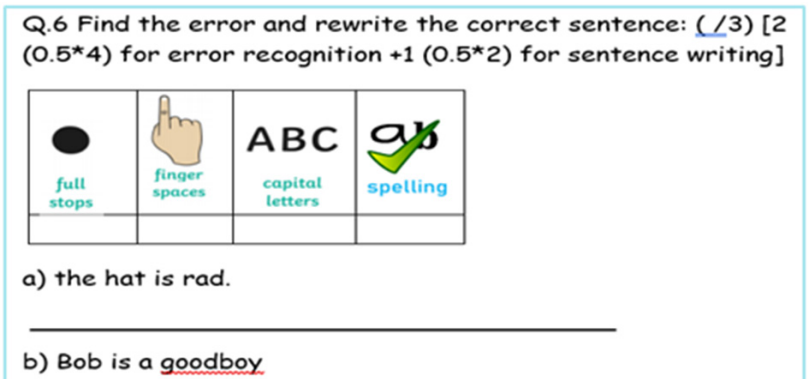

उपरोक्त प्रश्न में निम्न संशोधन किए गए हैं :

1. स्मरण करने में मदद के लिए हेल्प बॉक्स का उपयोग किया गया।

<table>
<tr><th colspan="2">Exhibit 4</th></tr>
<tr><td>असंशोधित संस्करण</td><td>Q7. Change the gender. 4
brother-sister boy _____ he _____
man_____ mother_____</td></tr>
<tr><td>संशोधित संस्करण</td><td>Q7. Change the gender: 4M
eg. king - queen (queen / prince)
a) boy - _____ (girl / man)
b) he - _____ (we / she)
c) man - _____ (woman / men)
d) mother - _____ (sister / father)</td></tr>
<tr><td colspan="2">उपरोक्त प्रश्न में निम्न संशोधन किए गए हैं :
1. दृश्य इनपुट का उपयोग किया गया।
2. पूछे गए प्रश्न को समझने में मदद करने के लिए उदाहरण का उपयोग किया गया।
3. विकल्पों का उपयोग किया गया।</td></tr>
</table>

लिखित आकलन के विकल्प

जहाँ भी आवश्यक और प्रासंगिक हो, लिखित आकलन को ऐसे कार्यों से बदला जा सकता है जो कि विद्यार्थियों के कौशलों और ज्ञान का परीक्षण करते हैं।

विज्ञान

प्रायोगिक कार्य	विज्ञान क्विज़
प्रयोग की योजना बनाना / डिज़ाइन करना	समूह कार्य-शोध/प्रयोग
निर्देशित शोध कार्य	सहपाठी का आकलन
मॉडल बनाना	बाहरी गतिविधि

उदाहरण के लिए," एक पौधे के कौन-कौन से मुख्य हिस्से होते हैं? जैसे प्रश्न को ऐसे कार्य से बदला जा सकता है जिसमें विद्यार्थी:

- मिट्टी के उपयोग से एक पौधा बनाएँ और मौखिक रूप से उसके हिस्सों का नाम बताएँ।
- पौधे के हिस्सों को सही तरीके से एकत्र करें।
- किसी वास्तविक पौधे का अध्ययन कर उसका चित्र बनाएँ।

गणित

समस्या समाधान-बहुविकल्पीय प्रश्न	समूह में परियोजना कार्य
आंकड़ों का प्रबंधन और विश्लेषण	निर्देशित शोध परियोजना कार्य और उसका प्रदर्शन
खोजी परियोजना	गणित प्रयोगशाला की गतिविधियाँ
ओरीगेमी, मिट्टी से मॉडल आदि बनाना	सहपाठी का आकलन
उदाहरण के लिए, आकृतियों पर एक प्रश्न निम्न प्रकार से पूछा जा सकता है : • आप स्कूल और घर में कौन-कौन सी 3D वस्तुएँ देखते हैं? • 2D/3D आकृतियाँ बनाएँ। • ओरीगेमी, मिट्टी, पुट्टी, पत्तियों आदि जैसे विभिन्न सामग्रियों के उपयोग से 2D/3D वस्तुएँ बनाएँ। • 2D और 3D आकृतियों के अंतर का आकलन करने के लिए समूह में काम करना।	

भाषा

मौखिक और सुनने की गतिविधियाँ उदाहरण के लिए सुनने की समझ	वाद-विवाद में भागीदारी
भाषण और प्रतियोगिताएँ	रोल-प्ले
बातचीत करने के कौशल	वर्णन करना / व्याख्या करना / फिर से कहना / वैकल्पिक शब्दों से अर्थ स्पष्ट करना / पाठ का सारांश बनाना
उदाहरण के लिए, व्याकरण के आकलन के लिए एक प्रश्न इस प्रकार पूछा जा सकता है : • परिवेश से संज्ञा के उदाहरण देना। • एक क्रिया शब्द देना और उसका उपयोग करते हुए एक साथी से बातचीत करना। • समझ पर आधारित एक प्रश्न इस प्रकार पूछा जा सकता है: • सीखे गए पाठ का संक्षिप्त विवरण मौखिक रूप से देना। • एक कहानी के किसी पात्र के पक्ष/खिलाफ़ बोलने के लिए कहना।	

आकलन की विधियाँ : सह-पाठ्यचर्या क्षेत्र

आकलन करने से पहले, नीचे दी गई कुछ बातों का ध्यान रखने की आवश्यकता है:

- हम किन गुणों का आकलन करना चाहते हैं?
- व्यवहार में ये गुण किस प्रकार परिलक्षित होते हैं।
- इनके लिए डेटा/साक्ष्य एकत्र करने के लिए किन उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है?
- शिक्षक डेटा कैसे दर्ज करेंगे और कैसे उनका विश्लेषण करेंगे?
- डेटा की रिपोर्टिंग किस प्रकार की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की विशिष्ट अक्षमता की कुछ अंतर्निहित अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए आवश्यक अनुकूलन (adaptations) को सूचीबद्ध करना महत्वपूर्ण है जिसमें कमजोर स्मृति / ध्यान / तर्क / मोटर स्किल / संप्रेषण कौशल / बोलना / समाजीकरण इत्यादि जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

सह-पाठ्यचर्या क्षेत्र के आकलन के कुछ तरीके इस प्रकार हैं :

- **अवलोकन :** इसका उपयोग कई स्थितियों में किया जा सकता है जैसे प्रार्थना / बाल सभा, समूह कार्य, यात्रा, सामाजिक कार्यक्रम / समारोह, प्रयोग और प्रयोगशाला की गतिविधियों आदि के दौरान।
- **रेटिंग पैमाना (scale) :** यह शिक्षकों के लिए सीखने वाले द्वारा प्रदर्शित व्यवहार, कौशल और रणनीतियों की मात्रा या आवृत्ति इंगित करना सुगम करता है। शिक्षक रेटिंग पैमाने का उपयोग अवलोकन दर्ज करने और विद्यार्थी इनका उपयोग स्व-आकलन के लिए कर सकते हैं।
- **एनेकडोटल रिकार्ड :** एनेकडोटल रिकार्ड, एक ऐसी घटना का विस्तृत, वर्णनात्मक विवरण है जिसमें एक या कई बच्चे शामिल हैं। इनका उपयोग एक बच्चे या बच्चों के छोटे समूह के विशिष्ट व्यवहार और कौशलों के दस्तावेजीकरण के लिए किया जा सकता है। एनेकडोटल रिकार्ड व्यवहार के घटित होने पर या बाद में लिखे जा सकते हैं।
- **साक्षात्कार :** एक औपचारिक साक्षात्कार किसी विद्यार्थी की एक अवधारणा की समझ, वस्तु/घटना या व्यक्तियों के बारे में राय को समझने के लिए एक औपचारिक साक्षरता लिया जाता है। इसके लिए अच्छी तरह से चयनित प्रश्नों का उपयोग किया जाता है। इसे ऑडियो या विडियो के रूप में रिकार्ड किया जा सकता है और बाद में इसका विश्लेषण किया जा सकता है।
- **परिस्थितिजन्य परीक्षण, रोल प्ले :** परिस्थितिजन्य परीक्षण या रोल प्ले का उपयोग वास्तव में घटित न होने वाली कई परिस्थितियों के बारे में किसी विद्यार्थी के विचार जानने के लिए किया जा सकता है ये विचार एक व्यक्ति के समग्र विकास के उपयोगी संकेतक होते हैं जैसे "यदि आपको पता चलता है कि आपका एक सहपाठी किसी दूसरे सहपाठी का कोई समान चोरी कर रह है, तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी", "आप किस प्रकार अपने एक दोस्त का सहयोग करेंगे जिसे कोई समस्या है" आदि।
- **फ़ील्ड वर्क असाइनमेंट :** फ़ील्ड वर्क असाइनमेंट का उपयोग पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों, स्वास्थ्य और पोषण, आपदा प्रबंधन आदि जैसे कई विषयों में विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल, ज्ञान और मूल्यों के विकास और आकलन के लिए किया जा सकता है।
- **पोर्टफोलियो :** यह विद्यार्थियों के द्वारा किए गए पाठ्यक्रम सम्बंधित और सहपाठ्यगामी कार्यों का संकलन है जो विद्यार्थी की प्रगति के साक्ष्य के रूप में प्रयोग की जा सकती है।

ऐसे विद्यार्थियों का आकलन जिन्हें अधिक सहयोग की आवश्यकता है (High-support students)

अधिक सहयोग की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों में शारीरिक दुर्बलता, चिकित्सा की आवश्यकता, विकास में देरी और बौद्धिक अक्षमता का संयोजन होता है। प्राय: ऐसे विद्यार्थियों को जीवन के एक से अधिक क्षेत्रों में निरंतर, व्यापक सहयोग की आवश्यकता होती है। इसलिए, अधिक सहयोग की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का आकलन ऐसे क्षेत्रों में किया जाना चाहिए जो जीवन की दैनिक गतिविधियों में उनकी स्वतंत्रता के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। ये गतिविधियाँ इन क्षेत्रों से हो सकती है :

- स्व-सहायता (self help) और स्वयं की देखभाल (self care)- स्वास्थ्य और साफ-सफाई, खाने के कौशल, कपड़े पहनने के कौशल, धन का उपयोग आदि।
- घरेलू कार्य- स्वयं के लिए सादा भोजन बना सकते हैं, अपना बिस्तर बिछा सकते हैं, अपने आसपास साफ-सफाई रख सकते हैं।
- दूसरों के साथ किसी सामाजिक समारोह में खेल खेलना और मनोरंजक गतिविधि करना।

- सहपाठी और सामुदायिक भागीदारी- दोस्त बनाने में सक्षम, दूसरों से घुलना-मिलना
- संप्रेषण-स्पष्ट रूप से अपनी आवश्यकता बताने और मैत्रीपूर्ण बातचीत के लिए सक्षम हैं,
- सुरक्षा और बचाव- सड़क और यातायात सुरक्षा का ज्ञान, स्वयं और दूसरों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना आदि।
- गतिशीलता- घर में, स्कूल में, कक्षा के अंदर, समुदाय में, चलने-फिरने के उपकरण में बदलाव आदि.

इन क्षेत्रों में आकलन बच्चे के कार्य करने के उद्देश्यों की पहचान करने में मदद कर सकता है जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करेगा।